an>

Title: Need to establish tele-medicine centres in the country

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): महोदया, बिहार में राज्य सरकार के उदासीन रवैये के कारण स्वास्थ्य सैक्टर में काफी धीमी प्रगति है। आज भी हजारों-हजार लोग बीमारियों के इलाज के लिए कर्ज लेकर, घर-जमीन को बंधक रखकर दो-दो दिन ट्रेन में सफर कर दिल्ली, कोलकाता, बंगलौर, चेन्नई, मुंबई जैसे महानगरों में जाते हैं, क्योंकि उन्हें बिहार में समुचित चिकित्सा की सुविधा नहीं मिलती है।

टेली-मेडिसिन एक चमत्कारी चिकित्सा प्रणाली है, जिसमें चिकित्सक विज्ञान और तकनीक के द्वारा देश के दूर-दराज के क्षेत्रों के लोग बिना बड़े शहर में गए हुए स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले सकते हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर के शिवहर, सीतामढी के और पूर्वी चम्पारण जिलों में हजारों गरीब बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग लोग हैं, जो समय पर समुचित चिकित्सा के अभाव में असमय ही मौत के शिकार हो जाते हैं। जब एक घर में कोई बीमार होता है तो उसका दर्द उसके परिजन ही महसूस कर सकते हैं और जब इलाज के अभाव में उनका कोई प्यारा दम तोड़ देता है, तो उसका असर पूरे परिवार पर जीवन पर्यन्त पड़ता रहता है।

मुझे जो जानकारी उपलब्ध कराई गई है, उसके अनुसार बिहार में टेली-मेडिसिन के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा कुछ कदम तो उठाए गए हैं, परन्तु उन प्रयासों का विशेष फायदा राज्य की गरीब जनता को नहीं मिल पा रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ई-स्वास्थ्य पहल के अन्तर्गत केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय को राष्ट्रीय ग्रामीण टेली-मेडिसिन नेटवर्क स्थापित करना था, परन्तु यह नेटवर्क कितना प्रभावकारी है या इसका कितना फायदा लोगों को मिला है, इसकी जाँच बहुत जरूरी है।

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): महोदया, प्रधानमंत्री जी ने लाल किले से दिए अपने भाषण में टेली-मेडिसिन का जिक्र किया था। अब लोगों को यह उम्मीद होने लगी है कि हेल्थ का सेक्टर जरूर सुधरेगा और उसमें टेली-मेडिसिन का अहम रोल होगा। आज बिहार सहित पूरे देश में स्वच्छता अभियान की तर्ज पर टेली-मेडिसिन केन्द्रों को स्थापित करने की तत्काल आवश्यकता है। मुझे पूरा भरोसा है कि इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। ग्रामीण भारत के गरीब लोगों की बीमारी दूर होगी। अगर इस काम में एन.जी.ओज. की भी मदद लेने की जरूरत पड़े तो सरकार को उनकी मदद लेनी चाहिए और वे मदद देने को तैयार हैं।

इसलिए हम चाहेंगे कि वैसे तो इस योजना को पूरे भारत में लागू करने की सख्त जरूरत है। परन्तु कम से कम हमारे संसदीय क्षेत्र शिवहर के पूर्वी चम्पारण जिले की ग्राम पंचायत घोड़ासहन (दक्षिण), जो दसवीं पंचायत है, जिसे हमने सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत गोद लिया है, में इसे लागू कर दिया जाए। मेरे 17 प्रखण्ड हैं, उनमें जल्द से जल्द इस योजना को लागू कर दिया जाए। ऐसा करने से गरीबों को बहुत फायदा होगा। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।